Fourteenth Loksabha

Session : 6
Date : 06-12-2005

Participants : Sangwan Shri Kishan Singh

>

Title : Need to take suitable measures for promotion of other sports in addition to cricket in the country.

श्री किशन सिंह सांगवान (सोनीपत) : अध्यक्ष महोदय, सरकार और बहुराट्रीय कंपनियां देश में क्रिकेट को इतना बढ़ावा दे रही हैं कि दूसरे सभी खेल इसके सामने बौने बनकर रह गये हैं, छोटे पड़ गये हैं। इस कारण देश के हजारों और लाखों अन्य खेलों को खेलने वाले खिलाड़ी अपने को दो नंबर का खिलाड़ी समझने लग गए हैं। क्रिकेट का खेल कॉर्मशियल हो गया है। क्रिकेट खेलना व्यापार बन गया है और यह खेल व्यापारियों का खेल बनता जा रहा है। इस पर दुनियाभर में लाखों करोड़ों रूपये के सट्टे लगते हैं। क्रिकेट खिलाड़ी मैदान में क्रिकेट खेलने में कम और ि वज्ञापनों में ज्यादा रूचि लेने लग गए हैं। इस कारण देश के अन्य खेलों के खिलाड़ी अपने को बहुत आहत महसूस कर रहे हैं।

महोदय, क्रिकेट के अलावा अन्य खेलों को कोइ प्रोत्साहन नहीं मिल रहा है। गिने चुने देश हैं जो क्रिकेट के शौकीन हैं। इनमें चीन, जापान, अमरीका आदि देश हैं, जो इसमें ज्यादा रूचि नहीं लेते हैं और ये ही देश खेलों में ज्यादा पदक प्राप्त करते हैं। हमारा देश खेलों में इन देशोकं के मुकाबले बहुत पीछे हैं और इक्के-दुक्के पदक ही प्राप्त करता है। मेरी आपके माध्यम से सरकार से मांग है कि सरकार क्रिकेट के अलावा दूसरे खेलों को भी बराबर का दर्जा दें ताकि दूसरे खेलों को भी बढ़ावा मिले और उन्हें खेलने वाले खिलाड़ी अपने को सम्मानित महसूस करें। अकेले क्रिकेट से इस देश का भला होने वाला नहीं है, यही मेरा आपके माध्यम से सरकार से निवेदन है।